बल्ब जलाओ जगमग-जगमग

10

सबीहा के अब्बा परेशान हो रहे थे। बार-बार टॉर्च को ठोंक रहे थे। साथ ही कुछ बड़बड़ा भी रहे थे। ''अरे, आज ही तो छुट्टन नए सेल डलवाकर लाया है। फिर क्या हो गया इस कम्बख्त टॉर्च को?'' यह सुनकर सबीहा चुपचाप उनके हाथ से टॉर्च ले आई और एक कोने में बैठकर उसकी जांच करने लगी। मन ही मन सोचती भी गई। ''देखूं, कहीं बल्ब तो फ्यूज नहीं हुआ? उफ, कैसी कसकर घुमाई है इसकी चूड़ी। हां, खुल गई। बल्ब निकालकर देखूं। बल्ब तो बाहर से ठीक ही लग रहा है। इसे वापस वैसे ही लगा देती हूं। सेल? सेल तो नए डाले हैं। फिर भी देख लेती हूं। अरे, यह क्या? एक सेल तो उल्टा लगाया हुआ है। यह तो छुट्टन की ही करामात लगती है!''

दो मिनट में सबीहा ने लौटकर जलती हुई टॉर्च अब्बा के हाथ में थमाई। खुशी से उन्होंने उसकी पीठ पर हाथ रखा और तुरंत टॉर्च लेकर बाहर निकल गए।

बोलो, क्या तुम भी टॉर्च ठीक कर सकते हो? क्या बल्ब और सेल की सही पहचान है तुम्हें? इस अध्याय में ऐसी कई बातों का अभ्यास तुम्हें करवाया जाएगा। स्विच क्या होता है, बिजली किन चीजों में से बह पाती है और किन में से नहीं – ऐसे सवालों के उत्तर तुम्हें मजेदार प्रयोगों से मिलेंगे। इसके अलावा आगे की कक्षाओं में भी तुम विद्युत (बिजली) के और प्रयोग करोगे।